सभी भाषाओं में, जिनमें उसका अब तक अनुवाद नहीं किया गया है, अनुवाद कराने का निर्णय करेगी; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव) : (क) जी हां।

(ख) से (घ). गांधी शताब्दी की राष्ट्रीय समिति के कार्यक्रम में, जो शताब्दी समारोह के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाओं की जिम्मेदार है, गीता की प्रतियों का वितरण अथवा विश्व की ऐसी भाषाओं में उनका अनुवाद जिन में वह अब तक नहीं किया गया है—शामिल नहीं है। इस विषय में सरकार किसी कार्रवाई के लिए विचार नहीं कर रही है।

साम्प्रदायिक दंगों को रोकना

842. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :
श्री प० मु० सईद :
श्री ज्ञा० सुन्दर लाल :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री रवि राय :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री यज्ञ दत्त शर्मा :
श्री हरदयाल देवगुण :
श्री जय सिंह :
श्री यमुना प्रसाद मंडल :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने साम्प्रदायिक दंगों को रोकने के उद्देश्य से राज्यों के मुख्य मंत्रियों को अपनी प्रशासनिक व्यवस्था का पुनर्विलोकन करने के लिए लिखा है;

(ख) क्या सरकार अनुभव करती है कि साम्प्रदायिक दंगे कम होने के स्थान पर प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या उपाय करने का सरकार का विचार है ?

गृहकार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) 9 अप्रैल, 1969 को गृह-मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों को पत्र लिखा था जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सुझाव दिया था कि प्रत्येक बड़े दंगे के सम्बन्ध में प्रशासनिक प्रबन्धों का पुनर्विलोकन किया जाये, ताकि प्रशासन की ऐसी विद्यमान कमजोरियों का पता लगे और उसके लिए तुरन्त उपचारीय उपाय किये जायं।

(ख) 1969 में हुई साम्प्रदायिक घटनाओं की संख्या चिन्ता का विषय है।

(ग) केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा राष्ट्रीय एकता परिषद द्वारा सुझाये गये तरीके पर कार्यवाही की जा रही है। केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा राष्ट्रीय एकता परिषद की साम्प्रदायिक पहलूओं से संबन्धित समिति की सिफारिशों पर जो कार्यवाही की गई है उसे बताने वाला एक विवरण सदन के सभा-पटल पर रखा जाता है। गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों को 7 जुलाई, 1969 को यह आग्रह करते हुए लिखा है कि विभिन्न समुदायों के बीच सोहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने और साम्प्रदायिक दंगों से उत्पन्न स्थितियों को सामान्य बनाने में सहायता करने के लिए प्रमुख सार्वजनिक व्यक्तियों की समितियां स्थापित करने के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाय।

विद्यार्थियों की जातिवाद आदि की भावनाओं को समाप्त करना

843. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा**
श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :